नेपाल बॉर्डर से लेकर दक्षिण के राज्यों तक से रोड कनेक्टिवटी बेहतर करने की कार्ययोजना तैयार

प्रदेश की 'रफ्तार' बढ़ाने को बनेगा नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

विधानमंडल के मॉनसून सत्र में सरकार ने एक अहम ऐलान करते हुए कहा है कि प्रदेश के हर जिले को एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा। यह कवायद तभी पूरी हो जाएगी, जब यूपी के नॉर्थ से साउथ छोर तक बसे जिलों को भी रफ्तार का हिस्सा बनाया जाए। इसके नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके लिए 8 रूट तैयार किए गए है, जिनकी कुल लंबाई 2,875 किमी है। सीएम की हरी झंडी के बाद लोक निर्माण विभाग ने इसे अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

8 नए रूट पर होगा काम, कुल लंबाई 2,875 किमी होगी

यूपी देश में सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे वाला राज्य है। लेकिन, अभी बने अधिकतर नैशनल हाइवे और एक्सप्रेस-वेज ईस्ट से वेस्ट की ओर है। इससे नॉर्थ-साउथ रूट पर बसे कई महत्वपूर्ण जिले अब भी निर्बाध कनेक्टिविटी से छूटे हुए हैं। नए प्रस्तावित कॉरिडोर से सरकार की नजर यह गैप भरने पर है। परियोजना से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी कार्ययोजना के लिए नैशनल हाइवे, ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण के साथ ही स्टेट हाइवे व जिला मुख्य मार्गों के विस्तार पर फोकस किया जाएगा। योजना में 1989 किमी का हिस्सा नैशनल हाइवे का है। इसमें 1,250 किमी का विकास नैशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के जिम्मे होगा। 739 किमी नैशनल और 334 किमी स्टेट हाइवे व जिला मार्ग पीडब्ल्यूडी के जिम्मे है, जिस पर लगभग ₹10 हजार करोड़ से अधिक का खर्च प्रस्तावित है। वहीं, 552 किमी ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण भी होना है जिसे पर ₹7,800 करोड़ से अधिक खर्च होंगे।

रूट एक : कोटद्वार (उत्तराखंड)-नजीबाबाद-अमरोहा-इटावा-ललितपुर-सागर (मध्य प्रदेश)

कुल लंबाई	एक्सप्रेस-वे	लागत (करोड़)
640KM	312KM	₹7,545

रूट एक : काशीपुर (उत्तराखंड)-मुरादाबाद-अलीगढ़-मथुरा-भरतपुर

कुल लंबाई	NH	लागत (करोड़)
268KM	249KM	₹1,584

रूट तीन : पिथौरागढ़-पीलीभीत-शाहजहांपुर-कानपुर-हमीरपुर-छतरपुर

कुल लंबाई	NH	लागत (करोड़)
469KM	469KM	₹3,200

रूट चार : ककरहवा-बस्ती-आजमगढ़-जौनपुर

कुल लंबाई	NH	लागत (करोड़)
273KM	273KM	₹1,059

रूट पांच : भोगनीपुर-औरैया-कन्नौज-हरदोई-सीतापुर-लखीमपुर-गौरीफंटा

कुल लंबाई	NH	लागत (करोड़)
342KM	247KM	₹3,152

रूट छह : पडरौना-देवरिया-मऊ-सलेमपुर-मोदिनीनगर (झारखंड)

कुल लंबाई	401KM
NH	187KM
लागत (करोड़)	₹4,000

रूट सात : श्रावस्ती-गोंडा-अयोध्या-प्रयागराज-रीवा

कुल लंबाई	337KM
NH	337KM
लागत (करोड़)	₹3,300

रूट आठ : लखीमपुर-लखनऊ-चित्रकूट-सतना

कुल लंबाई	NH	लागत (करोड़)
111KM	51KM	₹1,425

NBT Lens
खबरों के अंदर की बात

उत्तर-दक्षिण को जोड़ने की कवायद इसलिए अहम

सरकार की नजर प्रदेश के निवेश के ड्रीम डेस्टिनेशन बनाने के साथ ही बाजार को गांव-कस्बों तक पहुंचाने पर है। आखिरी इन्वेस्टर्स समिट में आए निवेश प्रस्तावों में इसकी झलक भी दिखी। पूर्वांचल, बुंदेलखंड से लेकर तराई तक के जिलों में निवेशकों ने अपना उद्यम स्थापित करने में रुचि दिखाई। सरकार को पता है कि इन वादों के अमल के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की बूस्टर डोज चाहिए। कनेक्टिविटी में इससे सबसे अहम है। माल ढुलाई से लेकर उत्पादों के परिवहन तक की सारी कवायद इसी पर निर्भर है। दूसरी ओर यूपी के स्थानीय उत्पादों को भी बड़े बाजारों में पहुंचाने की सारी मुहिम भी कनेक्टिविटी व रफ्तार से जुड़ी है। इसलिए, यूपी के वे हिस्से जो भी अभी कनेक्टिविटी से छूटे हुए हैं, उनको भी मुख्य धारा में स्थापित करने के लिए यह पहल शुरू की जा रही है।